

A wide-angle photograph of a large concrete dam with multiple spillways. The dam is releasing a massive volume of water, creating a large splash and white water at the base. The water is a muddy brown color. In the background, there are some buildings and trees on a hillside.

जाना बहदुर सिंह ने बताया कि अनादि कास से चली आ रही परंपरा का निर्वहण राज परिवार द्वारा किया गया नाग चर्चनी के अवसर पर वर्षों में एक बार गर्भ षष्ठ के निकट चाँदी द्वारा के पास मनी पाषाण की अति प्राचीन शीला का पत्थन पंडित रामचंद्र परसाई के द्वारा धार्मिक पद्धति से कराया गया प्रबंध टूटती

संतिमिति जहाँ बहदुर व अन्य भागों ने नाग देवता की पूजा अर्चना की तथा विश्व शांति कल्याण की प्रार्थना की नाग देवता की पूजा 12 वर्षों परापूर्व ही 12 वर्षों पूजा के बाद पुनः वापस बंद कर दिया गए गर्भ षष्ठ छोटा होने के कारण संतिमिति भाग भागों ने ही पूजा की तबश्चात ब्रम्हा बोलेनाथ के दर्शन जो नाग देवता की पूजन के लिए रोहक दिया गए पुनःचालू कराए गए सिमिधिम वर्षों के बीच बड़ी संख्या में भक्त आँकरेकर पहुँचें।

खाँडा/पंधाना विधानसभा के ग्राम अर्द्धा कला से महिलाओं द्वारा सोमवार को अपने ग्राम के शिव मंदिर से जवाझड़ी स्थित ऑंकरेश्वर महादेव मंदिर कावड़ यात्रा निकाली गई। जिसका उद्देश्य अच्छी फसल उत्पादन हेतु भगवान ऑंकरेश्वर से विनती की गई। कावड़ यात्रा में महिलाओं से लेकर बच्चों तक में काफी उपस्थित दिखाई दे रहा, साथ ही ग्रामीणों द्वारा पूरे गांव में घुमकर भूधाम से कावड़ गांव से प्रस्थान की गई। साथ ही गांव के निमाझीया गुरु के संजय देहल, गोलू देहल, हरिओम की ओर से महिलाओं की वापिस अपने गांव जाने की वकालत की गई।